जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 26 संख्याः 333 प्रभात अजमेर, रविवार 3 जुलाई, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

नन्हा, बेहद फुर्तीला, झाड़ियों पर चढ़ने में माहिर, डिबलर नाम का यह जीव मांसाहारी है और कीड़े, छिपकली व चिड़ियों को खाता है, लेकिन इसे फूलों का पराग भी बहुत पसंद है। भूरे सलेटी रंग के इन जीवों का फर बिखरा-बिखरा होता है, आंखों पर सफेद छल्ले इनकी विशिष्टता हैं। ये ऐसे क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं जहां बहुत सारी पत्तियों का कचरा जमीन पर जमा हो, क्योंकि पत्तियों में छुपकर ये परपक्षी जानवरों की नज़रों से बच जाते हैं। सुबह और शाम नज़र आने वाले डिबलर का अस्तित्व खतरे में है। इनके क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों की वजह से इनके प्राकृतिक आवास सिकुड़ते जा रहे हैं। जिसका मुख्य कारण है, जंगल की आग व पेड़ों की कटाई। इसके अलावा रोग व परभक्षी जीवों से भी इन्हें खतरा है। डिबलर छोटे मार्सूपिअल हैं। इन्हें बचाने के लिए पर्थ ज़ू ने मदद की है और डिपार्टमैंट ऑफ पार्क्स एण्ड वाइल्डलाइफ के नेटिव स्पीशीज़ ब्रीडिंग प्रोग्राम में इन्हें शामिल किया है। डिबलर को उन्नीसवीं सदी के आरम्भ में लुप्त मान लिया गया था। वर्ष 1967 में वैस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण में चेनी तट पर एक डिबलर का जोड़ा मिला था। उसके बाद दो अलग-अलग स्थानों पर उनके छोटे-छोटे समूह मिल चुके हैं। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के साउथ वैस्ट तटवर्ती क्षेत्रों में और साउथ आस्ट्रेलिया के एयर प्रान्त में किसी समय ये बड़ी तादाद में मिलते थे।

मोदी चाहते हैं, कैप्टन अमरिन्दर सिंह अगले उप राष्ट्रपति बनें!

एन.डी.ए. के उम्मीदवार का उप राष्ट्रपति बनना लगभग तय सा है, क्योंकि संसद के दोनों सदनों के सदस्य ही वोटर होते हैं तथा एन.डी.ए. का भी बहुमत है लोकसभा में जिससे विपक्ष के किसी उम्मीदवार के जीतने की उम्मीद बहुत कम है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 2 जुलाई। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह (80) ने अपने विश्वस्त दूतों के जरिये प्रधानमंत्री मोदी को यह संदेश पहुँचाना शुरु कर दिया है कि, वे भाजपा में शामिल होना चाहते हैं और पंजाब में पार्टी का नेतृत्व करना चाहते हैं। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि, मोदी के पास उनके लिये कोई अलग ही विचार एवं योजना है।

चंडीगढ़ से प्रकाशित दैनिक "द ट्रिब्यून" में शनिवार को यह रिपोर्ट प्रकाशित हुई है कि, मोदी अमरिंदर सिंह को उपराष्ट्रपति पद के लिये एन.डी.ए. प्रत्याशी बनाना चाहते हैं। ज्ञातव्य है कि, वर्तमान उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू का कार्यकाल अगस्त में पूरा हो रहा है। तथापि, यदि भाजपा ने नायडू को ही दूसरा कार्यकाल दे दिया, तो भी कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। उपराष्ट्रपति का चुनाव 6 अगस्त को होना है तथा एन.डी.ए. के उम्मीदवार की जीत पक्की है क्योंकि इस पद के चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सांसद ही मतदान करते हैं तथा इस पद के लिये चुनाव लड़ने की संगठित विपक्ष की किसी भी कोशिश को विफल करने के लिये, भाजपा के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने लंदन से, जहां वे स्पाइनल सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं, अपने समर्थकों को, जिन्होंने कैप्टन साहब के साथ कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, फोन करके कहा कि, उनके अगले सप्ताह भारत आगमन पर स्वागत की तैयारी करें।
- कैप्टन साहब ने गृह मंत्री अमित शाह को भी फोन करके, औपचारिक तरीके से उनको भाजपा जॉइन कराने की प्रक्रिया पूरी करने का संदेश दिया है।
- जैसा कि विदित ही है, पंजाब के विधानसभा चुनावों से पूर्व अमित शाह ने कैप्टन साहब को भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया था, परन्तु कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने तब ऑफर स्वीकार नहीं किया था।
- पूर्व सांसद सुनील जाखड़, जो अमरिन्दर सिंह के नजदीक बताये जाते हैं, पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

भागवत जयपुर पहुँचे

जयपुर, 2 जुलाई (का.सं.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत शनिवार सुबह शताब्दी एक्सप्रेस से जयपुर पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर उत्तर-पश्चिम (राजस्थान) क्षेत्र के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश और क्षेत्र प्रचारक निंबाराम ने उनका स्वागत किया। भागवत स्टेशन से सीधे ही भारती भवन पहुंचे, जहां से वह भोजन व विश्राम कर दोपहर बाद चूरू के लिए रवाना हो गए। डॉ. भागवत शनिवार से 10 जुलाई तक राजस्थान के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह चूरू में रात्रि विश्राम करेंगे, 3 जुलाई को सुबह 9 बजे चूरू से रतनगढ़ पहुंचेंगे और सुबह 10 से 12 बजे तक रतनगढ़ के गोल्छा ज्ञान मंदिर में तेरापंथ संघ के आचार्य महाश्रमण से वार्ता करेंगे।

- आर.एस.एस. के सरसंघचालक भागवत 10 जुलाई तक प्रदेश में रहेंगे।

इसी प्रकार दोपहर 12 बजे रतनगढ़ से चूरू के लिए प्रस्थान कर चूरू में ही रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 4 से 10 जुलाई तक झुंझुनू में रहेंगे और अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक में शामिल होंगे। प्रांत प्रचारक मुख्य बैठक 7 से 9 जुलाई तक रहेगी। बैठक में देशभर के सभी प्रांत प्रचारक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कन्हैयालाल हत्याकाण्ड के आरोपी के भाजपा से कनैक्शन पर कांग्रेस आक्रामक

भाजपा ने आरोपों से इंकार किया

जयपुर / उदयपुर, 2 जुलाई (का.प्र.)। उदयपुर हत्याकांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद रियाज अत्तारी का राजनीतिक कनैक्शन सामने आने के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर हमला बोला है। दरअसल अत्तारी की एक फोटो विधानसभा में भाजपा के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के साथ सामने आने पर कांग्रेस ने भाजपा पर सवाल उठाया है। इसके साथ ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े एक कार्यकर्ता का एक पुराना पोस्ट भी सामने आया है। इसमें उसने रियाज को भाजपा कार्यकर्ता बताया जा रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उदयपुर में कन्हैयालाल मर्डर का मुख्य आरोपी बीजेपी कार्यकर्ता है, क्या इसी कारण केंद्र ने जल्दबाजी में एनआईए को जांच सौंपी? वहीं भाजपा ने अत्तारी के भाजपा कार्यकर्ता होने से इनकार किया है।

यह मामला तब सामने आया जब भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा से जुड़े उदयपुर के इरशाद चैनवाला और कार्यकर्ता मोहम्मद ताहिर के तीन साल पुराने एक सोशल मीडिया पोस्ट में रियाज दिख रहा है। एक फोटो में इरशाद चैनवाला रियाज को माला पहना रहे हैं। इस बारे में पूछे जाने पर इरशाद चैनवाला ने कहा कि रियाज मक्का-मदीना से उमरा करके लौटा था। तब माला पहनाकर उसका स्वागत किया गया था। चैनवाला ने कहा कि रियाज से उसे मोहम्मद ताहिर ने ही मिलवाया था। उसका रियाज से कोई कनैक्शन नहीं है। ताहिर पेशे से कैमरामैन एवं भाजपा कार्यकर्ता का उमरा की जियारत से उदयपुर आने पर इस्तकबाल किया गया। अल्लाह, रियाज अत्तारी भाईजान की तमाम दुआओं को कबूल फरमाए, आमीन। "यह पोस्ट ताहिर के फेसबुक अकाउंट से 25 नवंबर 2019 को डाली गई है। इसमें ताहिर और चैनवाला और एक भाजपा नेता रियाज को माला समर्थक है। उसकी प्रोफाइल फोटो पर भाजपा की पगड़ी नजर आ रही है। इसी ताहिर ने अपनी पोस्ट में रियाज को भाजपा कार्यकर्ता भी बताया है।

- कांग्रेस का कहना है कि, हत्यारा रियाज़ अत्तारी, नेता प्रतिपक्ष कटारिया और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नेताओं के साथ फोटो में नज़र आ रहा है।
- पवन खेड़ा बोले, क्या इन्हीं कारणों से घटना को जल्दबाजी में एनआईए को ट्रांसफर करने का फैसला किया है?
- कटारिया ने कहा, मैं या बीजेपी का कोई भी आदमी जुड़ा है या गलत है तो उसे सजा मिलनी चाहिए।

ताहिर ने अपनी पोस्ट पर रियाज अत्तारी को भाजपा कार्यकर्ता बताते हुए लिखा है कि भाजपा "हर दिल अजीज हमारे भाई रियाज अत्तारी, भाजपा पहनाते दिख रहे हैं। वहीं, ताहिर से जुड़े कई पोस्ट में रियाज अत्तारी नाम से फेसबुक अकाउंट मैंशन किया गया है। मगर वह अकाउंट डिलीट कर दिया गया है, और अब दिख नहीं रहा है। इसके अलावा ताहिर की 27 अक्टूबर 2019 की एक पोस्ट भी सामने आई है। इसमें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गहलोत की चिढ़'

जयपुर, 2 जुलाई (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनको लेकर दिए बयान पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर एक दोहे के माध्यम से पलटवार किया-"बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि। हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि। "केंद्रीय मंत्री ने कहा कि" गहलोत जी की जुबां में मेरे लिए तो बुरा ही बुरा है। हर बार लगता है, वे इससे बुरा न कहेंगे, लेकिन अगली बार पहले से ज्यादा बुरा कह जाते हैं।

- केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा, गहलोत को युवाओं से चिढ़ है, चाहे वे पार्टी में हों या विपक्ष में हों।
- मुख्यमंत्री के बयान पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री ने दोहा लिख पलटवार किया।

विष वमन इसे ही कहते हैं। शायद जोधपुर की जनता का लोकसभा चुनाव में मुझे दिया प्रचंड आशीर्वाद वो आज तक पचा नहीं पा रहे हैं।" शनिवार को जारी बयान में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मुम्बई-अहमदाबाद हाई-स्पीड कॉरीडोर व मैट्रो प्रोजैक्ट अविलम्ब पूरे करें'

नई शिन्दे सरकार पर भारी दबाव बनना शुरू हुआ, रूके हुए प्रोजैक्ट पूरे करने के लिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 2 जुलाई। सरकार बदलने के साथ ही, महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार पर बहुत बड़ा दबाव आ गया है कि, वे लम्बित पड़े रेल एवं मैट्रो प्रोजैक्टों की क्रियान्विति शुरु करें, जिनमें प्रधानमंत्री का पैट प्रोजैक्ट, मुम्बई-अहमदाबाद हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण भी शामिल है। अभी तक, भाजपा की यह शिकायत थी कि, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एम.वी.ए. सरकार इस प्रोजैक्ट के क्रियान्वयन के काम में बाधा बन रही है।

किन्तु यह संभव नहीं है कि, सरकार बदलते ही मुम्बई के परिवहन के प्रोजैक्ट तेजी से शुरु हो जायें, क्योंकि उनमें कानूनी पेचीदगियों के साथ-साथ प्रशासनिक एवं सामाजिक मुद्दे भी आड़े आयेंगे। इधर, शिंदे सरकार ने ठाकरे सरकार के फैसले को पलटते हुए, प्रस्तावित मैट्रो शैड को, आरे मिल्क कॉलोनी एरिया में बनाने की पूर्व योजना को बहाल करने का निर्णय ले लिया है। लेकिन इस योजना के क्रियान्वयन में पर्यावरणविदों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं की ओर से होने वाले विरोध के कारण बाधाएं आयेंगी।

राज्य की संवेदनशील राजनैतिक स्थिति को देखते हुये, शिंदे सरकार के लिये उन योजनाओं को आगे बढ़ाना मुश्किल होगा, जिन्हें अलोकप्रिय माना जा रहा है। पूर्ववर्ती देवेन्द्र फड़नवीस सरकार ने 12 मैट्रो लाइन्स चालू करने के लिए एक लाख करोड़ रू. की लागत के मैट्रो प्रोजैक्टों की घोषणा की थी, लेकिन ये प्रोजैक्ट बिल्कुल भी आगे नहीं बढ़े हैं। इस समय स्थिति यह है कि, केवल एक मैट्रो लाइन पर एक छोटे से टुकड़े का ही वाणिज्यिक कार्य के लिये संचालन हो रहा है। मैट्रो-शैड के निर्माण में हुये विलम्ब के कारण, मैट्रो प्रोजैक्टों में दो साल से ज्यादा देरी हो चुकी है।

इसी प्रकार, महाराष्ट्र में बुलैट ट्रेन प्रोजैक्ट भी रुका हुआ है क्योंकि इस प्रोजैक्ट की संशोधित लागत को लेकर भारतीय तथा जापानी सरकार को जो निर्णय लेना है वह अभी लम्बित है। इसी कारण, पानी के अंदर 7 किमी लम्बी रेल लिंक के निर्माण का चुनौतीपूर्ण काम अभी शुरु नहीं हुआ है। शिंदे सरकार पर ब्रांदा कुर्ला कॉम्प्लेक्स पर महाराष्ट्र सरकार की जमीन को छोड़ देने के लिये भी दबाव पड़ेगा। ठाकरे सरकार ऐसा करने के लिये राजी नहीं थी, क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अब तक केन्द्रीय सरकार के पास "बहाना" था कि, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में एम.वी.ए. सरकार, केन्द्रीय सरकार के महत्वकांक्षी प्रोजैक्ट्स को पूरा करने के रास्ते में अनावश्यक रोड़े अटका रही है।
- इसी प्रकार फड़नविस सरकार ने 12 मैट्रो लाइन्स चालू करने के लिये एक लाख करोड़ रूपये के प्रोजैक्ट की घोषणा की थी। पर यह प्रोजैक्ट रूका पड़ा था, इन मैट्रो ट्रेन्स के लिये मैट्रो शैड न होने के कारण। पर, इस मैट्रो शैड के प्रोजैक्ट को एम.वी.ए. सरकार ने ठण्डे बस्ते में डाल दिया था, क्योंकि आरे मिल्क कॉलोनी की भूमि पर शैड बनाने पर पर्यावरण प्रेमियों ने आपत्ति की थी।
- अतः अब नई शिन्दे सरकार आने के बावजूद विलम्बित प्रोजैक्ट्स में असाधारण गति आना संभव नहीं लगता।

अमरावती में उदयपुर जैसी घटना?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 जुलाई। गृह मंत्रालय ने अमरावती के कैमिस्ट उमेश प्रहलाद राव कोल्हे की गत 21 जून को हुई हत्या से संबंधित जांच शनिवार को नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) के सुपुर्द कर दी।

- गत 21 जून को महाराष्ट्र के अमरावती शहर में हुये इस हत्याकाण्ड की भी जांच एन.आई.ए. को सौंपी गई।

मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा कि "महाराष्ट्र के अमरावती शहर में 21 जून को उमेश कोल्हे की हुई नृशंस हत्या के केस की जांच एन.आई.ए. को सौंप दी गई है। हत्या के लिए रचे गए षड्यंत्र, इस हत्याकाण्ड में संगठनों की भूमिका और अन्तर्राष्ट्रीय कड़ियों की गहन जांच की जाएगी।"

सैनफ्रांसिस्को में प्रवासी भारतीयों के सम्मान समारोह में मुख्य न्यायाधीश ने फिर भाजपा की राजनीति पर "हल्ला बोला"

मु.न्यायाधीश रमन्ना ने परोक्ष रूप से भाजपा को संकेत करके कहा, सब को साथ लेकर न चलने की प्रवृत्ति, संकट व आपदा को खुला आमंत्रण है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 2 जुलाई। सत्तारूढ़ भाजपा का नाम लिये बिना, उसकी नीतियों पर सनसनीखेज हमला करते हुये, भारत के मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने शनिवार को कहा कि, 21वीं सदी में विघटनकारी, संकीर्ण, असहिष्णु तथा सबको साथ लेकर न चलने (नॉन-इन्क्लूसिव) वाले राजनैतिक तौर-तरीके की कोई गुंजाइश नहीं है।

न्यायमूर्ति रमना, जिनके कार्यकाल के आठ सप्ताह शेष हैं क्योंकि वे 26 अगस्त को सेवानिवृत्त हो जायेंगे, ने ये दो टूक टिप्पणियाँ कैलिफोर्निया के सैन फ्रांसिस्को नगर में एसोसिएशन ऑफ इन्डो अमेरिकन्स द्वारा उनके सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित करते समय कीं।

उन्होंने भारत में घात लगाए बैठे विनाश के सुनिश्चित नुस्खे का जिक्र किया तथा कहा, इसका कारण यह है कि, भारत के लोगों को संविधान तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के काम करने की सही समझ नहीं है।

- न्यायाधीश रमन्ना ने अमेरिका का उदाहरण देते हुए कहा, अमेरिका समाज में विविधता को पहचानता है और सम्मान करता है, इसीलिये विश्व की सबसे श्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करता है और इन प्रतिभाओं का अमेरिका की समृद्धि व सम्पन्नता में भारी योगदान है।
- न्यायाधीश रमन्ना ने कहा, भारत में हर पार्टी, जो सत्ता में होती है, चाहती है, ज्युडिशियरी (न्याय पालिका) उसके हर निर्णय व कृत्य पर अपनी मोहर लगाये।
- उन्होंने कहा, विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल चाहते हैं, ज्युडिशियरी उनके एजेण्डा, राजनीतिक सोच व लक्ष्यों को आगे ले जाये।
- "जब ऐसा नहीं होता तब, ज्युडिशियरी, जो अब एक मात्र निष्पक्ष व स्वतंत्र संस्था बची है देश के प्रजातंत्र में, उसको कमजोर करने के भरसक प्रयास होते हैं।"
- देश में इतनी प्रतिद्वन्दात्मक राजनीति है कि, नयी सरकार निवर्तमान सरकार की सभी नीतियों व वादों को तोड़ने-मरोड़ने में लग जाती है।

उन्होंने कहा, "21वीं सदी में, हम तुच्छ, संकीर्ण तथा विभाजनकारी मुद्दों को यह अनुमति नहीं दे सकते कि, वे मानवीय तथा सामाजिक रिश्तों को निर्देशित करें। हमें सभी विघटनकारी बातों से ऊपर उठकर, मानवीय विकास पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। सबको साथ लेकर न चलने का तौर-तरीका विनाश को आमंत्रण देता है।"

उन्होंने कहा: "समावेशी सिद्धांत सार्वभौमिक एवं सार्वकालिक है। भारत सहित, दुनिया में हर जगह इसे सम्मान दिये जाने की जरूरत है। समावेशिता से समाज की एकता मजबूत होती है, जो शांति एवं तरक्की की कुंजी है। हमें ऐसे बिन्दुओं पर ध्यान देने की जरूरत है, जो हमें संगठित रख सकें, ना कि उन पर जो हमें बाँटते हैं।"

सी.जे.आई. के इस बयान को शुक्रवार को दो जजों की अवकाशकालीन बैंच की प्रतिक्रिया के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिये। उल्लेखनीय है कि, शुक्रवार को ये दोनों जज निलम्बित भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा पर जबरदस्त बरसे थे तथा उन्हें देश में साम्प्रदायिक उपद्रव पैदा करने का जिम्मेदार माना था तथा साथ ही यह भी कहा था कि, उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई क्योंकि उन्हें सरकार का संरक्षण प्राप्त है।

सी.जे.आई. ने कहा कि, इस समय भारत में केवल विभाजनकारी, संकीर्ण, असहिष्णु तथा गैर-समावेशी बयानों का शासन है। सी.जे.आई. रमना ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करने के संगठित प्रयासों पर दुख व्यक्त किया तथा कहा, "आम जनता में जबरदस्त रूप से पैदा किया जा रहा अज्ञान ही ऐसी ताकतों की सहायता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक दल की बैठक

जयपुर, 2 जुलाई (का.प्र.)। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कांग्रेस समर्थित दल और सरकार का समर्थन करने वाले विधायकों की बैठक 5 जुलाई को जयपुर के होटल क्लार्क आमेर में रखी गई है। बैठक में विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा भी मौजूद रहेंगे। बैठक सांय सात बजे होगी।

- प्रदेश कांग्रेस एवं उसके समर्थक विधायक पांच जुलाई को मीटिंग करेंगे।